‘एकीकृत थयिेटर कमांड’ की आवश्यकता

प्रलिम्सि के लयि:

एकीकृत थयिेटर कमांड, चीफ ऑफ डफिेंस स्टाफ, शेकेतकर समति

मेन्स के लयि:

एकीकृत थयिेटर कमांड

चर्चा में क्यों?

‘चीफ ऑफ डफिेंस स्टाफ’ (Chief of Defence Staff- CDS) के चीफ की नयिुक्ति के बाद रक्षा सुधारों में अगला महत्त्वपूर्ण कदम ‘एकीकृत थएिटर कमांड्स’ (Integrated Theatre Commands- ITC) का गठन करना होगा।

प्रमुख बदिु:

- 'वभिन्नि एकीकृत कमांड्स' के गठन पर सफिारशिें करने के लयि तीनों सेवाओं के उपाध्यक्षों के नेतृत्त्व में अनेक टीमों का गठन कयिा गया है।
- 'वायु सेना के लयि एकीकृत रक्षा कमान' पर गठति टीम का अध्ययन पूरा होने वाला है तथा जल्द ही वायु सेना के लयि 'एकीकृत रक्षा कमान' के गठन की उम्मीद है।

थएिटर कमांड क्या है?

- 'थएिटर कमांड' एक संगठनात्मक संरचना है जसिका उद्देश्य युद्ध में 'सैन्य प्रभावशीलता' बढ़ाने के लयि सभी सैन्य परसिंपत्तयिों को एकल थएिटर के माध्यम से नयिंत्रति करने के लयि डज़िाइन कयिा जाता है।
- सैन्य बोल-चाल में सैन्य सेवाओं (थल सेना, वायु सेना और नौसेना) की 'संयुक्त कमान' को एक 'थएिटर कमांड' कहा जाता है।
- वर्तमान में एकमात्र 'संयुक्त कमान' का गठन अंडमान और नकिोबार द्वीप समूह के लयि कयिा गया है।

वभिन्नि समतियिों द्वारा सफिारशि:

- कारगलि समीक्षा समति, शेकेतकर समति (Shekatkar Committee) द्वारा भी आंतरकि और बाह्य खतरों से नपिटने के लयि उच्च स्तर पर ‘संयुक्त इकाई’ बनाने के संदर्भ में सफिारशि की गई थी।
- इन समतियिों के अनुसार, सैन्य सेवाओं में नचिले स्तरों पर असंबद्धता के कारण परचिालन में तालमेल की कमी पाई जाती है।

एकीकृत थएिटर कमांड का महत्त्व:

- यह कमांडर अपने कार्यों के लयि सेना के कसिी अंग के प्रतजिवाबदेह नहीं होगा एवं अपने कमांड को नर्धिारति लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम एक ‘संयुक्त युद्धक बल’ (Cohesive Fighting Force) के रूप में वकिसति करने के लयि प्रशक्षिति करने हेतु स्वतंत्र होगा।
- अपने कार्यों को पूरा करने के लयि आवश्यक संसाधनों को थयिेटर कमांडर के नयिंत्रण में रखा जाएगा ताकि ऑपरेशन के दौरान उसे कसिी पर नर्भिर न रहना पड़े।
- यह भारत की वर्तमान ‘**सेवा-वशिषि्ट कमांड प्रणाली**’ (Service-specific Commands): जसिमें पूरे देश में तीनों सैन्य सेवाओं (थल सेना, वायु सेना और नौसेना) की अपनी-अपनी कमांड होती है, के वपिरीत है।

वपिक्ष में तर्क:

- भारत के सामने अब तक उत्पन्न युद्ध की चुनौतियों के दौरान तीनों सेवाओं ने सराहनीय सहयोग से काम किया है। ऐसा कोई अवसर नहीं देखा गया है जब तीनों सेवाओं के मध्य सहयोग का अभाव पाया गया हो।
- बढ़ते संचार नेटवर्क ने तीनों सैन्य सेवाओं के बीच संचार को आसान बनाया है। स्थानिक दूरी पर विचार किये बिना योजना बनाई जा सकती है, इसलिये नवीन संगठन की कोई आवश्यकता नहीं है।
- 'एकीकृत थियेटर कमांडर' विशिष्ट सेवा में डोमेन का ज्ञान रखने वाला होगा, अत: अन्य दो सेवा घटकों के संबंध में उसका ज्ञान सीमित रहने की संभावना है। इससे उसके आदेश के तहत अन्य सेवा घटकों को उपयुक्त तरीके से और उचित समय पर नियोजित करने की उसकी क्षमता सीमित हो जाती है।

निष्कर्ष:

- राष्ट्रीय सुरक्षा की बदलती गतिशीलता के कारण अब साइबर, स्वचालन और ऐसी ही कई नवीन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में वर्तमान डिसजॉइंटेड जनरल (Disjointed General) और रक्षा मंत्री द्वारा इन चुनौतियों को हल करना आसान नहीं है, बल्कि इन उभरती स्थितियों का जवाब देने के लिये एक स्पष्ट और मज़बूत संगठनात्मक अवसंरचना की आवश्यकता है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/need-of-integrated-theatre-commands